

अध्याय - 2 | अंकगणितीय व्यंजक

QUIZ
PART-05

1. ड्रोन 6 मीटर ऊपर जाकर 4 मीटर नीचे आता है। उसकी अंतिम ऊँचाई कितनी है?

A. 2 मीटर
B. 4 मीटर
C. 6 मीटर
D. 10 मीटर

(A)

व्याख्या: अंतिम ऊँचाई = $6 - 4 = 2$ मीटर।

2. $6 - 4$ को योग के रूप में कैसे लिख सकते हैं?

A. $6 + 4$
B. $6 + (-4)$
C. $-6 + 4$
D. $-6 + (-4)$

(B)

व्याख्या: 4 घटाने का अर्थ -4 जोड़ना है। इसलिए $6 - 4 = 6 + (-4)$ ।

3. $6 + (-4)$ और $(-4) + 6$ का मान क्या है?

A. दोनों का मान 2 है
B. दोनों का मान -2 है
C. पहला 2, दूसरा -2 है
D. पहला -2 , दूसरा 2 है

(A)

व्याख्या: $6 + (-4) = 2$ तथा $(-4) + 6 = 2$ । पदों की अदला-बदली से योगफल नहीं बदलता।

4. दो पदों की अदला-बदली करने पर योगफल पर क्या प्रभाव पड़ता है?

A. बढ़ जाता है
B. घट जाता है
C. नहीं बदलता
D. शून्य हो जाता है

(C)

व्याख्या: जोड़ में पदों का क्रम बदलने पर भी योगफल समान रहता है।

5. "पदों की अदला-बदली से योगफल नहीं बदलता" किस गुण को कहते हैं?

A. क्रमविनिमेयता गुण
B. साहचर्यता गुण
C. वितरण गुण
D. पहचान गुण

(A)

व्याख्या: जोड़ में पदों का क्रम बदलने पर योगफल न बदलने को क्रमविनिमेयता गुण कहते हैं।

6. "समूहीकरण से योगफल नहीं बदलता" किस गुण को कहते हैं?

A. क्रमविनिमेयता गुण
B. साहचर्यता गुण
C. वितरण गुण
D. व्युत्क्रम गुण

(B)

व्याख्या: जोड़ में पदों का समूहीकरण बदलने पर योगफल न बदलने को साहचर्यता गुण कहते हैं।

7. $4 + 5 = 5 + 4$ में किस गुण का प्रयोग हुआ है?

A. साहचर्यता गुण
B. क्रमविनिमेयता गुण
C. वितरण गुण
D. व्युत्क्रम गुण

(B)

व्याख्या: यहाँ 4 और 5 का क्रम बदला गया है, लेकिन योगफल समान है। इसलिए क्रमविनिमेयता गुण का प्रयोग हुआ है।

8. $(-3 + 4) - 5 = -3 + (4 - 5)$ में किस गुण का प्रयोग हुआ है?

A. क्रमविनिमेयता गुण
B. साहचर्यता गुण
C. वितरण गुण
D. पहचान गुण

(B)

व्याख्या: घटाव को ऋणात्मक संख्या के योग के रूप में देखने पर यहाँ पदों का समूहीकरण बदला है, इसलिए यह जोड़ के साहचर्यता गुण का उदाहरण है।

9. $-7 + 10 + (-11)$ का मान कितना है?

A. -8
B. -6
C. 6
D. 8

(A)

व्याख्या: $-7 + 10 = 3$ और $3 + (-11) = -8$ ।

10. मनसा को योग 11749 मिला, लेकिन वह 9055 जोड़ना भूल गई। सही योग कितना होगा?

A. 19804
B. 20804
C. 21804
D. 20814

(B)

व्याख्या: सही योग = $11749 + 9055 = 20804$ । भूली हुई संख्या को बाद में जोड़ने पर पूरा योग फिर से करने की आवश्यकता नहीं है।